खबर संक्षेप

विधायक ने गुरू पूर्णिमा के अवसर पर शिक्षकों का किया सम्मान

शहडोल। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ब्यौहारी में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरू पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक शरद कोल ने मॉ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक ने कहा कि गुरु की शिक्षा, संस्कार और मार्गदर्शन ही हमें एक बेहतर नागरिक बनाते हैं। गुरु का स्थान जीवन में ईश्वर से भी श्रेष्ठ माना गया है। विधायक ने गुरू पूर्णिमा के अवसर पर शिक्षको को फूलमाला, तिलक एवं साल श्रीफल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष श्री कृष्ण गुप्ता, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

मलेरिया एवं डेंगू रोग के लक्षण एवं बचाव के उपाय

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि बरसात मे मलेरिया एवं डेगू रोग फैलता है। जिसमें मरीज को ठंड लगकर बुखार आती है, बरसात के दिनो में पानी जमा हो जाता है जो खेत, तालाब, गड्ढे, खाई, घर के आस-पास रखे हुवे टूटे-फूटे डब्बे, पुराने टायर, पशु के पानी पीने के हौज इत्यादि। इस प्रकार के भरे हुए पानी में मच्छर के लार्वा पैदा होते है जो बाद में मच्छर बनकर रोग फैलाते है। मलेरिया से बचाव हेतु घर के आसपास पानी जमा ना होने दे, रूके हुए पानी में मिट्टी का तेल या जला हुआ ऑयल डालें। कूलर, फूलदान, फ्रिज ट्रे आदि को सप्ताह में एक बार अवश्य साफ करें । सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करे।

धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री प्रकरण में हुई सुनवाई

शहडोल। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत में संदीप कुमार तिवारी बनाम धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री प्रकरण में सुनवाई हुई, यह मामला सामाजिक और विधिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें धार्मिक मंचों के कथित दुरुपयोग और जनभावनाओं के शोषण से जुड़े गंभीर प्रश्न न्यायिक परीक्षण में हैं। पूर्व में धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की ओर से उनके अधिवक्ता द्वारा एक आवेदन प्रस्तुत किया गया था, जिसमें निवेदन किया गया कि उन्हें न्यायालय में अपना पक्ष रखने और उत्तर देने का अवसर प्रदान किया जाए। उक्त आवेदन के विरुद्ध परिवादी संदीप कुमार तिवारी ने पिछले कार्यदिवस पर अपना जवाब दाखिल करते हुए यह तर्क रखा था कि यह आवेदन मात्र न्यायिक प्रक्रिया को विलंबित करने तथा न्यायालय की सुनवाई को टालने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया है।

सरकार की मंशा पर पानी फेर रहे नौकरशाह

दफ्तर के बाबू से लेकर मुखिया नहीं करते फोन रिसीव

शहडोल। मध्यप्रदेश सहित पूरे देश में विजन 2047 को लेकर सरकार आगे बढ़ रही है, वहीं जिले के नौकरशाह बेलगाम हो चुके हैं, सरकारी खर्चे पर मिले मोबाइल नंबरों को "नो रिसीव कॉल" की आदत लगभग ने डाल रखी है, आदिवासी जिले की लगभग जनता इस परिपाटी से आजिज हो चुकी है, इस पर मोहन सरकार के नये आदेश भी बेअसर दिख रहे हैं। अधिकांश सरकारी अधिकारी-कर्मचारी जनहितैषी होने की बात तो करते हैं पर उनका बर्ताव बिल्कुल उलट होता है। ज्यादातर अधिकारी आमजंसरकारी काम-काज समय सीमा में नहीं होने से आम लोगों को बड़ी परेशानी उठानी पड़ रही है। इस पर सरकारी अधिकारियों-कर्मचारियों का रवैया और भारी पड़ रहा है। सरकार की मंशा है कि सभी सरकारी योजनाएं और सुविधाएं लोगों तक आसानी पहुंचे। इसके ज्यादातर सुविधाओं को ऑनलाइन किया गया है। अधिकारियों के कारनामें इतने अच्छे हैं कि जवाबदेही से बचने के लिए अधिकारी फोन उठाने से बचते हैं, सुविधाओं को आनलाइन करने के पीछे लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने और दलालों के चंगुल में फंसने से बचाना मुख्य ध्येय है, लेकिन सरकार की इस मंशा पर अधिकारी-कर्मचारी पानी फेर रहे हैं।

समस्याओं को दूर करने से परहेज

आम तौर पर सरकारी नुमाइन्दों का मुख्य काम लोगों को सुविधा पहुंचाने का होता है। व्यवस्था अनुसार लोगों की समस्याओं को दूर करना इनकी जिम्मेदारी होती है, लेकिन वर्तमान में अधिकारी-कर्मचारी जवाबदारियों से बचने ड्यूटी के नाम पर समय ही काटते हैं। वैसे तो ये खुद को इतना व्यस्त जताते हैं कि अपनी समस्यायों और परेशानियों को लेकर फोन करने वाले लोगों की कॉल तक रिसीव नहीं करते। कई बार लोग अपने कामों के संदर्भ में जानकारी लेने के लिए अधिकारियों व संबंधित कर्मचारियों को फोन लगाते हैं, लेकिन मजाल है कि कुछ अधिकारी-कर्मचारी फोन रिसीव कर संबंधित व्यक्ति की समस्या का समाधान कर दे या परामर्श दे दे। दफ्तर के बाबू से लेकर अधिकारी आम लोगों का फोन रिसीव नहीं करते।

दोबारा नहीं होता कॉल

अगर आप मुसीबत में हैं तो सरकारी सीयूजी नंबर डायल न करें। मुसीबत पडने पर अफसरों तक के सरकारी सीयूजी नंबर नहीं उठते। ये हाल किसी एक दिन का नहीं हर रोज यही होता है। आलम यह है कि जिले के आला अफ्सर भी अपना सरकारी फोन नहीं उठाते। आला अधिकारियों को जनसमस्याओं के निराकरण के लिए सरकार द्वारा फ्री नम्बर दिया गया है। इस नम्बर पर न ही अधिकारियों को अपने पास से रिचार्ज करवाना होता है और न ही अपने पास से आउटगोइंग एवं इनकमिंग के लिए कोई चार्ज देना होता है। इसके बावजूद भी जिले के अधिकारी फोन उठाने और दोबारा काल करने से कतराते हैं। सवाल पैदा होता है कि आखिर ये किस तरीके से समाज एवं जनता के हितार्थ अपनी सेवायें दे सकेंगे।

अधिकारियों का अडियल रवैया

अधिकांश सरकारी अधिकारी-कर्मचारी जनहितैषी होने की बात तो करते हैं पर उनका बर्ताव बिल्कुल उलट होता है। ज्यादातर अधिकारी आमजनों का मोबाइल तक नहीं उठाते। सरकार के प्रायः सभी विभागों के अधिकांश कार्यालयों में अधिकारियों के अडियल रवैये और मनमानी के कारण आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, सही तरीके से जानकारी उपलब्ध कराना सरकार की कार्यक्रमों और योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाना अधिकारियों का दायित्व है, लेकिन अधिकारी फोन उठाना तो दूर जनता का काम करने से भी कतराते हैं, जबकि हर विभाग दफ्तरों में सरकारी फोन से लेकर उच्चाधिकारियों व प्रभारी अधिकारियों को सरकारी मोबाइल भी उपलब्ध रहता है और ये नंबर वेबसाइट में भी प्रदर्शित होता है, ऐसे में जरूरत में सुझाव या समस्या समाधान के लिए अगर आम आदमी फोन करे तो, उस पर रिस्पांस कर उक्त व्यक्ति की समस्या सुनना और समाधान बताना भी अधिकारियों की ड्यूटी है, लेकिन जिले में पुलिस-प्रशासन के कई अधिकारी आमलोगों और मीडिया के फोन उठाने से परहेज करते हैं।

प्रेसवार्ता में उठा था मुद्दा

जिले के नौकरशाह बेलगाम हो चुके हैं, ग्राम पंचायत के सचिव से लेकर जिले के मुखिया आमजनों और मीडिया से दूरी बनाकर रखते हैं, जनसुनवाई में समस्याओं को सुना तो जाता है, लेकिन उस समस्या समाधान की जानकारी अगर फरियादी लेना चाहे तो, दूर-दराज से लोगों को जिला मुख्यालय की दौड़ लगानी पड़ती है, वहीं अगर मीडिया किस मामले में अधिकारियों सहित जिले के मुखिया का पक्ष जानने का प्रयास करे तो, वह फोन रिसीव करना अपनी सान के खिलाफ समझते हैं, बीते दिनों उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने जिले के भ्रमण के दौरान प्रेसवार्ता की थी, जिसमें यह मुद्दा उठा था, लेकिन श्री शुक्ला ने इसके बाद अधिकारियों को क्या आदेश दिया, यह तो वही जाने, लेकिन अधिकारियों का रवैया बदला नहीं है।

एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र में हड़ताल रही प्रभावशाली

80 प्रतिशत तक रहा असर, सीटू ने बताया हड़ताल को सफल

शहडोल। कोयला श्रमिक संघ (सीटू) के क्षेत्रीय सचिव अरुण गौतम ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र में 9 जुलाई को संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय आह्वान पर आयोजित हड़ताल प्रभावशाली रही। अधिकांश इकाइयों में श्रमिकों ने हड़ताल में भागीदारी दिखाई, जिससे उत्पादन बुरी तरह प्रभावित रहा।

अरुण गौतम ने बताया कि सोहागपुर क्षेत्र की अमलाई ओसीएम एवं रामपुर बटुरा को छोड़ दिया जाए तो बाकी सभी इकाइयों में हड़ताल का असर औसतन 85 प्रतिशत तक दर्ज किया गया। प्रथम पाली में अंडरग्राउंड माइनों में 80 प्रतिशत श्रमिकों ने कार्य से विरत रहकर हड़ताल का समर्थन किया, वहीं दोनों ओपन कास्ट माइनों में यह अनुपात लगभग 60 प्रतिशत रहा। द्वितीय एवं तृतीय पाली में श्रमिकों का रुझान और भी सकारात्मक देखा गया। सभी अंडरग्राउंड माइनों में केवल 10 प्रतिशत श्रमिक ही कार्य पर उपस्थित हुए, जिससे स्पष्ट है कि 90 प्रतिशत

तक हड़ताल सफल रही। ओवरऑल आंकड़ों पर नजर डालें तो सोहागपुर क्षेत्र में हड़ताल की सफलता 80 प्रतिशत तक रही। सीटू ने इस सफलता का श्रेय श्रमिकों की एकता और श्रमवीरों की जागरूकता को देते हुए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अरुण गौतम ने भरोसा जताया कि भविष्य में भी श्रमिक इसी तरह एकजुट होकर संगठन को मजबूत करेंगे।

युवक पर जानलेवा हमला, जमीन विवाद को लेकर चले लाठी, डंडे और टंगी

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के कनाड़ीकला गांव में एक युवक पर जानलेवा हमला का मामला सामने आया है। पीड़ित कपिलदेव गुप्ता अपनी पट्टे की वैध भूमि पर पेट्रोल पंप का निर्माण कार्य करवा रहे थे, इस दौरान गांव के कुछ लोगों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित के अनुसार हमला करने वालों में गांव के हनुमा कोल, विष्णु कोल और लालबाबू कोल शामिल हैं।

तीनों ने उस पर लाठी, डंडों और टांगी से हमला किया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित कपिल के सिर, नाक और कंधे पर गहरी चोटें आई हैं। कपिल गुप्ता ने बताया कि मैंने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई, लेकिन आरोपी मुझ पर तब तक हमला करते रहे जब तक वह वहां से निकल नहीं गया। इस दौरान मोती साहू नाम का एक व्यक्ति कपिल का बैग लेकर मौके से फरार हो गया। शुरुआत में कपिल ने बैग चोरी की रिपोर्ट नहीं कराई, लेकिन बाद में स्थिति स्पष्ट होने पर उन्होंने जान से मारने का प्रयास करने और लूट की शिकायत की। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अजय बैगा ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है, उनकी तलाश की जा रही है।

आतंकी घटनाओं से निपटने एनएसजी ने दिया प्रशिक्षण

तीनों जिलों के अधिकारी रहे शामिल

शहडोल। पुलिस कंट्रोल रूम में काउंटर टेररिस्ट इंसिडेंट रिस्पॉन्स ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग, होमगार्ड, अग्निशमन तथा एसडीईआरएफ के अधिकारियों को आतंकी घटना के दौरान प्रथम प्रतिक्रिया, सतर्कता, विभागीय समन्वय और सावधानियों के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। एनएसजी के सहायक कमांडेंट कमल द्वारा सभी प्रतिभागियों को बताया गया कि किस प्रकार किसी आतंकी घटना के समय फस्ट रिस्पॉन्डर के रूप में कार्य करना है, किन-किन सावधानियों का पालन करना आवश्यक है तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय किस प्रकार सुनिश्चित किया जाए। इस प्रशिक्षण में पुलिस महानिरीक्षक अनुराग शर्मा, पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव सहित शहडोल, अनूपपुर एवं उमरिया जिलों से पुलिस, प्रशासन, स्वास्थ्य, वन, होमगार्ड, अग्निशमन और एसडीईआरएफ के अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान द्वारा एनएसजी टीम को उनके मार्गदर्शन और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

जनसंख्या नियंत्रण के लिए समाज में जागरूकता जरूरी

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर निकाली गई जागरूकता रैली

शहडोल। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के मार्गदर्शन में महिला प्रशिक्षण केन्द्र से जनसंख्या नियंत्रण हेतु जागरूकता रैली निकाली गई। जागरूकता रैली को जिला मलेरिया अधिकारी श्री हनुमान प्रसाद नामदेव एवं प्राचार्य महिला प्रशिक्षण केन्द्र शहडोल श्रीमती टी.एस. सुखनन्दन ने हरी झण्डी दिखाकर महिला प्रशिक्षण केन्द्र से रवाना किया। रैली में जनसंख्या नियोजन नियंत्रण का संदेश देने के लिए नारे लगाये गये एवं जागरूकता रैली निकाली गई। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर महिला प्रशिक्षण केंद्र शहडोल में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्याशाला मे बताया गया कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए समाज में जागरूकता जरूरी है और हर व्यक्ति को परिवार नियोजन के साधनों की जानकारी होनी चाहिए। पात्र लक्ष्य दंपतियों को परिवार कल्याण के स्थायी साधन (महिला के प्रसव पश्चात नसबंदी, महिला नसबंदी, पुरुष नसबंदी) तथा अस्थाई साधन (पीपीआईयूसीडी, गर्भनिरोधक दवायें, अन्तरा इंजेक्शन) को अपनाने के लिए स्वास्थ्य संस्थाओं में होने वाली व्हीएचएनडी की बैठक में समझायें तथा उनके द्वारा (बॉसकेट ऑफ च्वाईस) के आधार पर उनके द्वारा चाही गई गर्भनिरोधक साधन उपलब्ध करायें। कार्यशाला मे माँ बनने की उम्र वही जब तन और मन की तैयारी सही की अवधारणा को विस्तृत रूप से प्राचार्य महिला प्रशिक्षण केन्द्र शहडोल, जिला मलेरिया अधिकारी एवं मीडिया अधिकारी डॉ. राजेश श्रीवास्तव द्वारा समझाया। कार्यालशाला में परिवार नियोजन यूनिवर्सल हेल्थ केयर प्राप्त करने तथा जनसंख्या स्थिरीकरण एवं परिवार कल्याण की सेवाओं को जन-जन तक पहुँचान तथा मातृ-मृत्यू दर एवं शिशु मृत्यु दर नियंत्रण तथ स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के बारे में समझाया गया।महिल प्रशिक्षण केन्द्र की छात्रा वन्दना गालपुरे, प्रज्ञा पटेल एवं अंकिता टेकाम ने विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जनसंख्या नियोजन के संबंध मे पोस्टर एवं मन मोहक रंगोली बनाई तथा जन संख्या नियंत्रण का संदेश दिया। इस अवसर पर महिला प्रशिक्षण केन्द्र शहडोल की ट्यूटर, प्रशिक्षणार्थी, मलेरिया समन्वयक एस.एस. शुक्ला तथ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के रजनीश गुप्ता, श्री आशुतोष त्रिपाठी, संतोष सिंह, नीरज बर्मन सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहें। गौरतलब है कि प्रतिवर्ष 11 जुलाई से 11 अगस्त तक विष्व जनसंख्या माह के रूप में मनाया जाता है।

अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में लापरवाही न हो, अधिकारी रखें ध्यान

निरीक्षण कर संज्ञान में आई समस्याओं का संबंधित अधिकारी करें निदान

शहडोल। संभागीय उपायुक्त, जनजातीय कार्य विभाग जे.पी.यादव ने विभागीय जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने अधिकारियो को निर्देश दिए कि शहडोल संभाग में अतिथि शिक्षको की भर्ती प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए, अधिकारी इसका ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि अतिथि शिक्षकों की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर अध्यापन कार्य सुचारु रूप से विद्यालयो का संचालन सुनिश्चित करें। उन्होंने अधीनस्थ संस्थाओं के नियमित निरीक्षण कर संज्ञान मे आई समस्याओं का निदान करने के, कार्यालय और स्कूल समय पर खुलें तथा इन संस्थाओं के कार्यालय प्रमुख एवं स्टाफ समय पर पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कर्मचारियों के समस्याओं के निदान के लिए अधिकारियों को संवेदनशील होकर काम करें। संभागीय उपायुक्त ने लंबित पेंशन प्रकरण, विभागीय जाँच, अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि पेंशन प्रकरणों का समय पर निराकरण करावें, कोषालय से दर्ज आपत्तियों का त्वरित निदान करें, विभागीय जाँच का कार्य तीन माह मे पूर्ण करें। बहुत आवश्यक होने पर निलंबन की कार्यवाही हो, गंभीर आर्थिक और चारित्रिक प्रकरणों को छोडकर किसी भी कर्मचारी को लम्बे समय तक निलंबित न रखा जाए, स्थानांतरित कर्मचारियों को तत्काल रिलीव कर नई संस्था मे कार्यभार ग्रहण कराना सुनिश्चित करें। न्यायालयीन प्रकरणों मे शीघ्र जवाब प्रस्तुत किए जाएं। उन्होंने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत सभी अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थियों द्वारा पौधारोपण किया जाये और वायुदूत ऐप पर अपलोड करना सुनिश्चित करें।

खबर संक्षेप

13 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन

उमरिया। नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर को किया गया है । नेशनल लोक अदालत में न्यायिक प्रकरण,आपराधिक, सिविल, श्रम, मोटरयान दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, कुटुंब न्यायालय में लंबित , प्रिलिटिगेशन के समझौता योग्यता प्रिलिटिगेशन के रूप में सभी बैंकों के प्रकरण, नगर पालिका समकेतिक कर एवं जलकर एवं विद्युत प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमरिया ने अधिवक्ताओ एवं जन मानस से अपील की है कि नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में प्रकरणों को आपसी सुलह समझौता के माध्यम से निराकृत कराएं तथा आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत का लाभ उठाएं ।

18 जुलाई को रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन में युवा संगम रोजगार मेला

उमरिया। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन 18 जुलाई को रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन में प्रातः 11 बजे से 4 बजे तक आयोजित किया गया है। मेले में निप्पोन मल्टीसर्विस हिरिंग, सागर मेन्युफेक्चेरिंग कंपनी, मोबाइल पे, भीलवाड़ा टेक्साटाईल कंपनी, वर्धमान यान मंडीदीप भोपाल, प्रगतिशील बायोटेक सतना, एस आई एस आई सुरक्षा गार्ड, एलआईसी उमरिया, रिलायंस निप्पोन तथा एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी शामिल होगे। आवेदक अपने साथ पासपोर्ट साइज की फोटो साथ मे समस्त प्रमाण पत्रों की छायाप्रति लेकर रोजगार मेला मे उपस्थित हो। अधिक जानकारी के लिए 7869880800 पर संपर्क किया जा सकता है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यक्रम संपन्न

मानपुर। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जन सामुदाय,स्टॉफ को जनसंख्या नियंत्रण अभियान के सम्बन्ध में जानकारी दी गई एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत स्थाई /अस्थाई साधनों के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गई। ग्राम स्तर पर जागरूकता रैली संवाद करने हेतु आशा साथियों एवं गैर सरकारी संस्था दर्शाना महिला कल्याण समिति छतरपुर के कार्यकर्ताओं को अभियान में सक्रिय रूप से भागीदारी करने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर बुधराम राहंगडाले जिला समन्वयक , डॉ फिरोज खान मेडिकल ऑफिसर डॉ सुरेंद्र पटेल आरबीएसके,एस.पी कोल बीईई और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर के समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा ।

25 फीट गड्ढे में गिरी भैंस को जन प्रतिनिधियों ने निकाला

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। नगर परिषद डोला के वार्ड नंबर 08 निवासी भुवन सिंह की भैंस घास चरने के दौरान 25 फीट के गड्ढे में जो कि राजनगर खुली खदान के पोखरी के बगल के गड्ढे में गिर गई थी। पोखरी में तीन दिशाओं से पानी होने के कारण भैंस बाहर निकल पाने में असमर्थ रही। नगर में सूचना मिलते ही सिरवन सिंह, वार्ड नंबर 05 के पार्षद प्रतिनिधि शैलेन्द्र सिंह, वार्ड नंबर 03 के पार्षद प्रतिनिधि महादेव गोस्वामी, वार्ड नंबर 04 के पार्षद प्रतिनिधि राहुल सिंह परिहार और संजय साहू और वार्ड के अनेक सदस्यों ने घटनास्थल पर पहुंचकर शाम पांच बजे जेसीबी की मदद से भैंस को रस्सी से बांधकर सकुशल बाहर निकाला। जिससे मूक पशु को एक नया जीवन मिला। नगर में इस कार्य के लिए इन लोगों की सराहना की जा रही है।

सिंहपुर में चल रहा बेधड़क जुआं, जंगल में हर रोज चल रहा फड़

सिंहपुर में लगा जुएं का महाकुंभ

फड़ संचालित करने दयालू को मिला रामजी का आशीर्वाद

शहडोल। जुआ खेलने की वजह से कई घर तबाह हो गए, इस खेल पर प्रतिबंध लगा हुआ है, इसके बावजूद कई लोग छिपकर जुआ खेलते दिखाई दे जाते हैं, सिंहपुर थाना क्षेत्र के जंगल में कुछ दिनों से कई लोगों को आते-जाते देखा जा रहा है, जो जंगल आमतौर पर सुनसान रहता था, वहां भीड़ लगने लगी है। इस पूरे खेल में पुलिस सहित वन विभाग का सहयोग बड़ी आसानी से मिल रहा है। जिले के सिंहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले जंगल में जुआरियों की महफिल सज रही है। इसे सिंहपुर के कुछ लोग मिलकर संचालित कर रहे हैं। सिंहपुर थाना क्षेत्र के पुराने जुआरी और कुछ बाहर के लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर जुआं खिलवाया जा रहा है। मौसम साफ रहने के चलते जंगल में जुआ चल रहा है। बताया जाता है कि सिंहपुर क्षेत्र में रामजी के आशीर्वाद से जुएं का खेल बदस्तूर जारी है। इस पूरे खेल में को संचालित करने के लिए सिंहपुर थाना क्षेत्र की किलेबंदी की गई है, लगभग एक दर्जन युवा इस पूरे कारोबार पर कप्तान की नजर न पड़ सके, इसके लिए चौकीदारी कर रहे हैं। सिंहपुर थाना में बाहरी लोगों के प्रवेश करते ही मुखबिर सूचना फड़ तक पहुंचा देते हैं, जिससे पहले ही फड़ पर एहतियात बरती जाती है।

पुलिस से पूर्ण सुरक्षा

जुआ माफिया द्वारा जुआ की फड़ को संचालित करने का नेटवर्क तैयार किया गया है। इस काम में एक दर्जन से अधिक बेरोजगार युवाओं की 500 रुपए रोज पर सेवाएं ली जाती हैं। अलग-अलग स्थानों से जुआ माफिया द्वारा खिलाडिय़ों को बाइक पर बैठाकर जुआ संचालित होने वाले स्थान तक पहुंचाया जाता है। फिर यही बेरोजगार युवकों को उन रास्तों पर साधारण तौर पर बैठा दिया जाता है कि अगर इस क्षेत्र से कोई भी संदिग्ध वाहन आता दिखाई दे। तो वह तुरंत फोन पर सूचना दें, जिससे खिलाडिय़ों को पुलिस से पूर्ण सुरक्षा प्रदान की जाती है।

ये सब भी हो रहा फड़ों पर

जुआ स्थल पर जुआरियों के लिए शराब, सिगरेट, पानी और खाने का सामान भी उपलब्ध रहता है। अगर कोई खिलाड़ी जुआ में हार रहा है और उसे तुरंत फायनेंस चाहिए तो, 10 हजार रुपए पर एक हजार रुपए काटकर 9 हजार रुपए एक दिन के लिए फायनेंस होता है। अब वह जितने दिन बाद पैसे देगा उसे 10 हजार पर एक हजार रुपए प्रतिदिन ब्याज देना होगा। इसके लिए जुआ जीतने वाले जुआरी को अलग से धन राशि संचालकों को देनी होती है।

आधी रात तक लगता है दांव

जुआं खिलाने वाले के द्वारा नियम-कानून को ताक में रखकर सिंहपुर में जुआं फड़ का अवैध ढंग से संचालन किया जा रहा हैं। हर दिन में स्थान बदल-बदल कर जुआं खिलाया जा रहा है। सिंहपुर में बुढ़ार, धनपुरी, नौरोजाबाद, उमरिया, अनूपपुर, कोतमा, बिजुरी सहित दूसरे प्रदेश से जुआं खेलने के लिए जुआरी प्रतिदिन पहुंच रहे हैं। 52 परियों के प्रेमी दोपहर बाद अपने-अपने घरों से निकलते है और अलग-अलग रास्ते से बिना रोक-टोक के जंगल में पहुंचकर लाखों रुपये का वारा-न्यारा करते हैं। 52 परियों का खेल दोपहर तीन बजे से प्रारंभ होकर आधी रात तक चलता है। इस दौरान लाखों रुपये के दांव लगाए जाते है। फड़ में संचालकों द्वारा पहुंचने वालों को तमाम तरह की सुविधाएं मुहैय्या कराई जा रही है।

पुलिस का नहीं है भय

पुलिस संगठित अपराध पर शिकंजा कसने का जितना भी दावा करती हो, लेकिन जंगल में जुआ खेलते बेखौफ जुआरियों के चेहरे पर पुलिस का कोई डर दिखाई नहीं देता। जुआं खेलते लोगों और दिखाई दे रही जंगल की लोकेशन के आधार पर लोगों का दावा है कि जिस क्षेत्र में जुआ चल रहा है, वह शहर सिंहपुर क्षेत्र का है, आश्चर्य की बात यह है कि जंगल के अंदर अवैध गतिविधियां संचालित है, लेकिन वन विभाग के जिम्मेदारों को खबर नहीं है, सिंहपुर पुलिस अवैध गतिविधियां संचालित न होने का दंभ भरती है, लेकिन स्थानीय लोगों की माने तो, वर्दी के संरक्षण में ही दयालू पर रामजी की कृपा बनी हुई है।

कलेक्टर ने किया केन्द्रीय विद्यालय उमरिया का औचक निरीक्षण

ठेकेदार को गुणवत्तायुक्त कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिला मुख्यालय स्थित केन्द्रीय विद्यालय उमरिया का औचक रूप से निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान उन्होने विद्यालय परिसर में डीएमएफ फंड से चल रहे कार्यो की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ठेकेदार को निर्देशित किया है कि संबंधित कार्य समय सीमा में पूर्ण किया जाए,ताकि विद्यालय में पढऩे वाले छात्र छात्राओं को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना नही करना पड़े और वे अपने अध्यापन का कार्य निर्विघ्न रूप से कर सके । मेन रोड से केन्द्रीय विद्यालय तक पहुंचने वाली सडक़ के निरीक्षण के दौरान उन्होने कहा कि सडक़ में जो गढ्ढे है, उसे नगर पालिका के माध्यम से भरवाया जाएगा, उसके बाद विधिवत एस्टीमेट तैयार कर भेजा जाएगा। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा श्री मार्को, प्राचार्य, विष्णु भारती, ठेकेदार सहित स्कूली बच्चे उपस्थित रहे ।

बच्चो के साथ किया पौधरोपण

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने केन्द्रीय विद्यालय उमरिया के निरीक्षण के दौरान स्कूली बच्चो एवं स्टाफ के साथ परिसर में पौधरोपण किया । उन्होने कहा कि पर्यावरण का अर्थ उस प्राकृतिक परिवेश से है, जिसमें हम रहते हैं। हमारे चारों ओर के सभी जीव और निर्जीव तत्व पर्यावरण का हिस्सा है, जैसे हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे और जीव-जंतु। पर्यावरण संतुलित रहे , इसके लिए हमें पौध रोपण करना होगा। हरे भरे पेडो की कटाई बंद करनी होगी । पौधरोपण करने के साथ ही उसकी सुरक्षा एवं देखभाल का संकल्प लें । पेड़ से हमें विभिन्न प्रकार की औषधियां प्राप्त होती है इसके साथ ही फल एवं फूल प्राप्त होते है।पौधरोपण करनें से पर्यावरण का संतुलन भी बना रहता है । इसलिए आवश्यक है कि सभी को पौधरोपण करना चाहिए ।

सेवाकाल से पहले हत्या के मामले में सजा काट चुके कर्मचारी पर उठे सवाल

तथ्यों को छिपाकर SECL में कर रहे थे नौकरी

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (SECL) के सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत अमलई ओपनकास्ट माइन्स में असिस्टेंट सुपरवाइजर (ट्रांसपोर्टेशन) के पद पर कार्यरत श्रीकांत मिश्रा पर गंभीर आरोप लगे हैं प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्रीकांत मिश्रा (NEIS न. 24358277) ने नियुक्ति के समय अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि को छिपाकर नौकरी हासिल की थी, जबकि वे पूर्व में हत्या के आरोप में न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध होकर तीन वर्ष तक कारावास की सजा भुगत चुके हैं। आरोप यह भी है कि श्री मिश्रा ने अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि का कोई उल्लेख नियुक्ति प्रपत्रों में नहीं किया, जो न केवल सरकारी सेवा नियमों का उल्लंघन है बल्कि यह स्पष्ट रूप से धोखाधड़ी की श्रेणी में आता है। इस पूरे मामले को उजागर करते हुए ग्राम हरदुआ जिला रीवा निवासी श्रीनिवास पाठक ने जिलाधीश अनूपपुर को ज्ञापन सौंपकर मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषी कर्मचारी के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई की मांग की है शिकायतकर्ता का कहना है कि चूंकि अब श्रीकांत मिश्रा का सेवाकाल समाप्ति की ओर है अतः जल्द जांच कर उन्हें सेवा से पृथक किया जाए तथा उनकी सेवा अवधि में प्राप्त वेतन एवं पीएफ राशि को जब्त कर राष्ट्रीय संपत्ति की रक्षा की जाए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी आग्रह किया है कि इस कृत्य पर श्रीकांत मिश्रा के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध कर अलग से दंडात्मक कार्रवाई की जाए। शिकायत की प्रतिलिपि सतर्कता अधिकारी SECL बिलासपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर एवं मुख्य महाप्रबंधक, सोहागपुर क्षेत्र को भी प्रेषित की गई है मामला गंभीर है और अब यह देखना होगा कि जिला प्रशासन एवं SECL प्रबंधन इस पर क्या कदम उठाता है।

एसईसीआर श्रमिक यूनियन को कार्यालय मिलने का रास्ता हुआ साफ

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं साउथ ईस्ट सेंटर रेलवे श्रमिक यूनियन के महामंत्री मनोज बेहरा ने बताया की बिलासपुर जोन में रेल्वे की मान्यता प्राप्त करने का चुनाव 05 एवं 06 दिसंबर को संपन्न हुए जिसमें मान्यता के लिए 35 % मत प्राप्त करना आवश्यक रहा परंतु किसी भी यूनियन को 35% मत प्राप्त नहीं हुए जिसके कारण सीक्रेट वैलेट इलेक्शन की मॉडलिटी के प्रावधानों के अनुसार सर्वाधिक प्रतिशत पाने वाली यूनियन को सेक्सन 5.5 के तहत मान्यता प्रदान की जाए जिसमें मजदूर कांग्रेस को मान्यता प्राप्त हुई। इसी प्रकार सिक्रेट बैलट इलेक्शन मॉडलिटी के सेक्सन 5.10 के अनुसार साउथ ईस्टर्न सेंट्रल रेल्वे श्रमिक यूनियन एवं अखंड रेल कर्मचारी संघ को भी पात्रता प्राप्त हुई जिसमें रेल प्रशासन द्वारा सीमित सुविधा दी गई है।सीक्रेट वैलेट इलेक्शन पूर्ण होने के उपरांत ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा ने रेल्वे बोर्ड स्तर पर पुरजोर मांग की थी कि जहां-जहां ऑल इंडिया रेल्वे मेंस फेडरेशन की ऐफिलिएटिड यूनियन मान्यता प्राप्त नहीं कर सकी वहां पर उन्हें यूनियन कार्यालय उपलब्ध कराए जाएं जिससे कि वह कर्मचारी से संपर्क स्थापित कर उनकी समस्याओं से रूबरू हो सके और संगठनात्मक कार्यकलाप कर सके। जिस पर रेलवे बोर्ड ने अपनी स्वीकृति प्रदान की और रेल्वे बोर्ड की प्रधान कार्यकारी निदेशक रेनू शर्मा ने भारतीय रेल्वे के सभी महाप्रबंधक को पत्र के माध्यम से निर्देशित किया कि ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन एवं नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवे से ऐफिलिएटेड यूनियन को जोनल एवं मंडल स्तर पर कार्यालय उपलब्ध कराए जाएं। जिसके तहत बिलासपुर जोन में ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (AIRF) नई दिल्ली से ऐफिलिएटेड एकमात्र यूनियन साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे श्रमिक यूनियन को कार्यालय मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

मानपुर में हरित क्रांति का आगाज उठी हरित जागरूकता की लहर

धरा होगी हरित तो हर मन होगा खुशहाल, हर सांस होगी शुद्ध, 51 पौधे लगाए

उमरिया। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से प्रदेश भर में आयोजित हो रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत महिला थाना व जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा सरस्वती विद्यालय मानपुर गार्डन परिसर में उमरिया महिला थाना प्रभारी अरुणा द्विवेदी, सहायक उपनिरीक्षक धर्मेंद्र सिंह,प्रधान आरक्षक शरद सैनी,विद्यालय प्राचार्य श्रवण तिवारी, प्रधान आचार्य तेजबली शुक्ला शिक्षक अनुपम तिवारी, राजकिशोर पटेल, शिक्षिका प्रतिमा शुक्ला,अनुराग शुक्ला, पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी की उपस्थिति में 51 फलदार व छायादार पौधे रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।महिला थाना प्रभारी अरुणा द्विवेदी ने पौधारोपण करते हुए कहा कि वृक्ष प्राणवायु प्रदान करते हैं। सभी के लिए पौधारोपण करना और उसे बचाना बेहद जरूरी है।पेड़ ही जीवन है। पेड़ पौधों के बिना जीवन की परिकल्पना भी नहीं की जा सकती है। यदि पेड़ पौधे ना हो तो हम सब सांस नहीं ले सकते हैं इसलिए जीवन के लिए हम सब को पौधारोपण एवं उनकी सुरक्षा का संकल्प लेना चाहिए। विद्यालय प्राचार्य श्रवण तिवारी ने विद्यार्थियों को पौधे का महत्व बताते हुए कहा कि केवल पौधे लगाना कार्य नहीं है पौधों का संरक्षण करना भी हमारा दायित्व है। हिमांशु तिवारी ने कहा कि मां के नाम पेड़ लगाने से अपनी मां का सम्मान तो होगा ही, साथ ही धरती मां की भी रक्षा होगी। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भर में भारतीय संस्कृति का गौरव गान हो रहा है, जिसकी हर देशवासी खुशी मना रहे हैं। पौधारोपण के दौरान महिला थाना प्रभारी अरुणा द्विवेदी, विद्यालय प्राचार्य श्रवण तिवारी, पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी,सिद्धि तिवारी, शिखा बर्मन, विद्यालय विद्यार्थी यशी सिंह,बबिता कुशवाहा, अर्पिता तिवारी,स्नेहा चतुर्वेदी, पूजा बैगा,कौशल कोल, अजीत बैगा,श्रयम तिवारी,पलक सिंह, पूनम यादव, आदित्य साहू, मोहन प्रजापति, रमेश पटेल व सभी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में गुरू पूर्णिमा पर कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाविद्यालय उमरिया में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. अरविंद शाह बरकड़े ने कार्यक्रम के आरंभ में प्राचीनतम गुरु-शिष्य परंपरा की ऐतिहासिक झलक प्रस्तुत की गई, जिसमें बताया गया कि चिकित्सा विज्ञान की सर्वोच्च प्रणाली आयुर्वेद का आरंभ स्वयं ब्रह्मा जी द्वारा किया गया, जिन्होंने ब्रह्म संहिता के माध्यम से चिकित्सा ज्ञान का सृजन किया। इस ज्ञान को आचार्यों, देवों और ऋषियों ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी संरक्षित और विकसित किया। प्राचार्य डॉ. विमला मरावी ने अपने उद्बोधन में गुरु की भूमिका को एक धागे के रूप में वर्णित किया जो पीढ़ियों को जोड़ता है। उन्होंने कहा कि गुरु केवल अध्यापक नहीं होता, वह संस्कारों, शोध और विचारों का संवाहक होता है। गुरु ही वह शक्ति है जो अपने ज्ञान के माध्यम से पीढ़ियों को शिक्षित, संस्कारित और जागरूक करता है। उन्होंने शिक्षा, चिकित्सा, समाजशास्त्र और राजनीति सभी क्षेत्रों में गुरु की अनुपम भूमिका को रेखांकित किया। सेवानिवृत्त रसायनशास्त्र प्राध्यापक डॉ. एम.एन. स्वामी ने अनुसंधान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा,वास्तविक ज्ञान तब ही जन-जन तक पहुंचता है जब वह शोध की कसौटी पर खरा उतरता है। शिष्य के माध्यम से ही गुरु के ज्ञान का विस्तार होता है। उन्होंने आयुर्वेद की ज्ञान परंपरा में देवताओं और आचार्यों की भूमिका को स्मरणीय ढंग से प्रस्तुत किया।पुरूषोत्तम तिवारी ने कहा कि यह आयोजन न केवल एक रस्म है, बल्कि गुरु के योगदान और शिक्षा के महत्व को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने का एक सार्थक माध्यम सिद्ध हुआ। विद्यार्थियों, शिक्षकों और नागरिकों के सम्मिलित प्रयासों ने इसे एक प्रेरणादायक अवसर में परिवर्तित कर दिया।पी.डी. रावत ने अपने प्रेरक विचारों में कहा कि गुरु स्वयं सर्वत्र उपस्थित न होकर भी अपने शिष्यों द्वारा संपूर्ण संसार में ज्ञान का प्रचार करता है। यही सच्चा गुरु है जो केवल शिक्षित नहीं करता, बल्कि समाज को जागरूक बनाता है।उन्होंने विद्यार्थियों के प्रति वात्सल्यभाव और चिकित्सकों के सामाजिक उत्तरदायित्व को भी रेखांकित किया। ऋषिराज पुरवार ने सभी अतिथियों, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस समारोह को संवेदना और शिक्षा का संगम बताया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने भारतीय संस्कृति की आत्मा, अर्थात गुरु-शिष्य परंपरा को न केवल पुनः जागृत किया, बल्कि यह दर्शाया कि ज्ञान का सही मार्ग अनुसंधान, समर्पण और अनुशासन से ही प्रशस्त होता है। यह समारोह एक प्रेरणा स्रोत बना, जो आने वाली पीढ़ियों को दिशा देने वाला साबित होगा। गुरू पूर्णिमा समारोह में सभी संकायों के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं पूरी श्रद्धा के साथ उपस्थित रहे।इस अवसर पर पुरूषोत्तम तिवारी, गणमान्य नागरिक, गुरूजन, प्रबुद्ध व्यक्तित्व एवं आम जन को आमंत्रित किया गया। विद्यार्थियों ने भी कविता,भाषण एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं परंपरागत भारतीय रीति से तिलक और नारियल अर्पित कर गुरुओं का स्वागत किया। आमंत्रित अतिथि भाव-विभोर होकर सहभागी हुए,जिससे गुरुकुल परंपरा की जीवंत झलक दिखाई दी।राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण फेसबुक लाइव एवं यूट्यूब के माध्यम से महाविद्यालय परिसर में दिखाया गया, जिससे विद्यार्थीगण, शिक्षक एवं अन्य नागरिकों को मुख्यमंत्री जी के संदेश का लाभ प्राप्त हुआ।

खबर संक्षेप

ईश्वरीय विश्व विद्यालय में गुरू पूर्णिमा पर आयोजन

कटनी। सिविल लाईन स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सर्वप्रथम शिवबाबा को भोग अर्पित कर शिवलिंग का पूजन और आरती की गई ।सभी ने शिव के गुरु स्वरूप को समझा और अपनाने का संकल्प लिया । तत्पश्चात राजयोग केंद्र संचालिका बीके लक्ष्मी बहन ने शिव के गुरु स्वरूप की महत्ता को बताते हुए कहा, "शिव केवल नाम के नहीं, काम के भी गुरु हैं। उनके औढरदानी स्वरूप से धन और संतान जैसे लाभ पाने की परंपरा है, लेकिन उनके गुरु स्वरूप से ज्ञान क्यों न प्राप्त किया जाए? ज्ञान के अभाव में किसी भी संपत्ति का उपयोग घातक हो सकता है।"अंत में सभी भाई बहनों को तिलक लगाकर ईश्वरीय भोग वितरित किया गया । इस अवसर पर बीके दुर्गा बहन, नेहा बहन, प्रियंका बहन, रानी शर्मा, विनोद भाई, शैलेंद्र भाई, विवेक भाई, मंगला माता, सुनीता, ज्योति बहन अन्य की उपस्थित रहे

58 जर्जर भवन चिन्हित, जारी किया गया नोटिस

कटनी। वर्षा ऋतु में जर्जर भवनों के कारण होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोकने हेतु निगमायुक्त नीलेश दुबे के निर्देश पर कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा द्वारा पूर्व में नगर के विभिन्न वार्डो में चिन्हित 58 जर्जर भवनों के मालिकों को उक्त भवन मानव आवास हेतु उपयुक्त नहीं होने के कारण ऐसे जर्जर भवनों को गिराने एवं मरम्मत योग्य भवनों की मरम्मत कराकर निगम कार्यालय में सूचित करने हेतु कहा गया है। कार्यपालन यंत्री श्री मिश्रा द्वारा मानव आवास हेतु अनुपयुक्त भवन स्वामियों से ऐसे भवनों को स्वयं गिराकर अथवा मरम्मत योग्य भवन को मरम्मत नहीं करानें पर यदि मानव आवास हेतु अनुपयुक्त भवन से किसी भी प्रकार की जन धन हानि होती है तो उसके लिए भवन स्वामी स्वयं जवाबदार होगें। साथ ही ऐसे भवन स्वामी जिनके द्वारा मानव आवास हेतु अनुपयुक्त भवन का मरम्मत, नये निर्माण जर्जर भवन गिराकर किया गया है ,ऐसे नागरिकों को नगरपालिक निगम कटनी में लिखित सूचना देनी होगी। आम सूचना के माध्यम से सर्वेक्षित सूची के अतिरिक्त मानव आवास हेतु अनुपयुक्त भवनों जिनको नगर पालिक निगम कटनी द्वारा सूची में शामिल नहीं किया गया है, तो उसकी लिखित सूचना कार्यालय में प्रस्तुत करें, ताकि म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम के अंतर्गत नियमानुसार कार्यवाही की जा सके।

15 तक जमा होंगे मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के आवेदन

कटनी। शासकीय सेवाओं में नवाचार एवं उत्कृष्ट कार्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा प्रतिवर्ष 'मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार (नवाचार)' प्रदान किया जाता है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए वर्ष 2024-25 में किये गए नवाचारों हेतु आवेदन आमंत्रित किए गये हैं। आवेदन www.awards.mp.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन किये जा सकेंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई निर्धारित की गई है। शासकीय सेवाओं में नवाचार एवं उत्कृष्ट कार्यों को बढ़ावा देने वाले वार्षिक 'मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार (नवाचार)' के लिए प्रदेश के शासकीय और सार्वजनिक संस्थानों के अधिकारी-कर्मचारी 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक किये गए नवाचारों के आधार पर आवेदन कर सकेंगे। पुरस्कार के लिए राज्य शासन के विभाग एवं उनके अधीनस्थ कार्यालयों के उल्लेखनीय नवाचारों को मान्यता दी जाएगी। पुरस्कार के लिए ऐसे कार्यों का चयन किया जाएगा, जिनसे जनसेवा में गुणवत्ता, दक्षता और नवाचार दृष्टिगोचर होता हो। मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार (नवाचार) महिला एवं बाल विकास, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि एवं ग्रामीण विकास, सामाजिक समावेशन और समावेशी विकास के क्षेत्र में किये गये नवाचारों को प्रदान किया जाएगा।

गुरू शिष्य का अनुपमेय उदाहरण प्रस्तुत करते हुये पूज्य गुरूवर का किया पूजन-अर्चन

गुरू पूर्णिमां महोत्सव राम जानकी मंदिर में पूरे श्रद्धा एवं आस्था के साथ मनाया गया

बुढार। गुरूपुर्णिमां के पावन अवसर पर श्रद्धालु धर्म प्रेमियों नें गुरू शिष्य का अनुपमेय उदाहरण प्रस्तुत करते हुये अपने पूज्य गुरूवर का विधि-विधान पूर्वक पूजन-अर्चन कर शुभाशीर्वाद अर्जित किये।

नगर के सुप्रसिद्ध श्रीराम जानकी मंदिर बुढार, मानव कल्याण आश्रम गीताधाम सहित नगर एवं आस-पास के क्षेत्रों में गुरू पूर्णिमां महोत्सव के पुण्य अवसर पर पूज्य गुरुवर का शिष्यों ने श्रद्धा व आस्था पूर्वक विधि-विधान से पूजन अर्चन किये।

गुरुपूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर गुरु - शिष्य की अनादिकाल से चली आ रही परंपरा गुरुवार को नगर एवं आस-पास देखने को मिली, जहां पूज्य गुरूवर का श्रद्धा एवं आस्था पूर्वक शिष्यों नें मंदिरों तथा अपने पूज्य गुरुजनों के निज निवास पहुंचकर पूजन-अर्चन कर शुभाशीष अर्जित किये। श्रीराम जानकी मंदिर बुढार में - गुरूपूर्णिमा के पुण्य अवसर पर श्रीराम जानकी मंदिर बुढार में विराजमान भगवान श्रीराम जानकी, जगन्नाथ स्वामीं, श्री शिव जी तथा श्रीराधा-कृष्ण जी के दर्शन कर अपना जीवन सौभाग्यमय बनाया, वहीं श्रीराम जानकी मन्दिर बुढार के साकेतवासी पूज्य महन्त श्री नारायण दास शास्त्री जी के प्रिय शिष्यों नें गुरूपूर्णिमा पर साकेतवासी पूज्य स्वामीं जी महाराज के तैलचित्र को साक्षी मानकर श्रद्धापूर्वक पूजन अर्चन किये, और श्रीराम जानकी मन्दिर बुढार के महन्त श्रीरामबालक दास जी महाराज के शिष्यों नें श्रद्धा एवं आस्था पूर्वक वैदिक मन्त्रोच्चारण के मध्य विधि-विधान पूर्वक पूजन-अर्चन किये और पूज्य गुरुवर ने शिष्यों को शुभाशीर्वाद दिये, इस पुण्य अवसर पर श्रद्धालुजनों नें पूज्य गुरूवर से गुरूदीक्षा भी ग्रहण की। गुरूपुर्णिमां के पावन अवसर पर पूज्य महंत श्री रामबालक दास जी नें शिष्यों एवं श्रद्धालुओं को मंदिर में गुरूप्रसाद ग्रहण कराया।

मानव कल्याण आश्रम (गीताधाम) कटकोना में मनाया गया गुरु पुर्णिमा महोत्सव

बुढार नगर से लगे समीपी ग्राम-कटकोना (बुढार) स्थित मानवकल्याण आश्रम गीताधाम कटकोना में गुरूपूर्णिमां महोत्सव परंपरानुरूप मनाया गया।

आश्रम के संस्थापक - ब्रह्मलीन स्वामी श्री सच्चिदानंद सरस्वती जी के शिष्यों ने स्वामीं जी की प्रतिमां को साक्षी मानकर पूरे श्रद्धा के साथ पूजन अर्चन कर शुभाशीर्वाद प्राप्त किये तथा मन्दिर में विराजे श्री राधा-कृष्ण व शिव जी के दर्शन किये। इस अवसर पर अध्यात्मिक भजनों तथा भजन कीर्तन का पुण्य लाभ श्रद्धालुजनों नें अर्जित किया तथा गुरूप्रसाद प्राप्त किये। गुरुपूर्णिमा के पुण्य अवसर पर - मानव कल्याण आश्रम के प्रो. धर्मेन्द्र द्विवेदी, गीतानुरागी - श्रीकांत, मंदिर के पुजारी - रामदीन शर्मा, शारदा प्रसाद द्विवेदी, आध्यात्मिक प्रचारक निरंजन पटेल तथा ग्राम वासियो व स्वामी जी के शिष्यों ने गुरु पूर्णिमा पर अपनी भरपूर सहभागिता निभाई।

ग्राम पिपरतरा स्थित शिवालय में भी मना श्रद्धा पूर्वक गुरू पूर्णिमा न महोत्सव

ग्राम - पिपरतरा स्थित भूत-भावन भोलेनाथ जी के शिवालय में मानव कल्याण आश्रम के संस्थापक ब्रम्हलीन स्वामी श्री सच्चिदानंद सरस्वती जी के परम शिष्य गीतानुरागी - श्रीकांत शर्मा के यहां स्थित शिवालय में गुरूपूर्णिमां श्रद्धा एवं आस्था पूर्वक मनायी गई । गीतानुरागी जी के शिष्यों ने गुरु शिष्य का अनुपमेय उदाहरण प्रस्तुत करते हुये वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गीतानुरागी जी का पूजन अर्चन किये और गुरु पूर्णिमा पर शिष्यों नें उनका शुभाशीर्वाद प्राप्त किये। आध्यात्मिक भजनों का भी पुण्य लाभ इस अवसर पर श्रद्धालुजन अर्जित किये।

नवीन पाठ्यक्रम से छात्रों को नये अवसर और गतिविधियों से जोड़ते हैं प्रोफेसर गंगा मिश्रा

विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस पर भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह एवं नगर कार्यकारिणी का गठन

बुढार। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करना रहा समारोह का शुभारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती और युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शासकीय नेहरू डिग्री महाविद्यालय, प्राचार्या प्रोफेसर गंगा मिश्रा और विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ अध्यापक डॉ.अनिल उपाध्याय उपस्थित रहे। समारोह से पूर्व बुढार-धनपुरी नगर इकाई की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें टीकम सिंह नायक को नगर अध्यक्ष और ओम सेन को नगर मंत्री नियुक्त किया गया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर गंगा मिश्रा ने एबीवीपी के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों को नए अवसर और गतिविधियों से जोड़ते हैं, जिससे उनके व्यक्तित्व विकास को बल मिलता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिल उपाध्याय, जो 40 वर्षों से महाविद्यालय से जुड़े हैं, ने परिषद के कार्यों को सराहनीय बताते हुए भविष्य में और विविध आयोजनों को करने की सलाह दी।

कार्यक्रम की मुख्य कड़ी में विभिन्न विद्यालयों के मेधावी छात्रों को 10वीं और 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र और मेडल प्रदान किए गए। इसमें बाल विकास शिक्षण केंद्र,सरस्वती शिशु मंदिर, ग्रीनवेल्स पब्लिक स्कूल, कन्या माध्यमिक विद्यालय, ज्ञान निकेतन, कप्तान स्कूल और कर्कटी स्कूल के छात्र शामिल थे।

समिति का गठन

नगर कार्यकारिणी में नगर अध्यक्ष टीकम सिंह और नगर मंत्री ओम सेन के साथ नगर उपाध्यक्ष डॉ. निपेंद्र सिंह करचूली, डॉ. शशि मोहन सेन, डॉ.कमलेश प्रजापति और रितेश जैन नियुक्त हुए। नगर सहमंत्री के रूप में नवदीप पनिका, अनुराग गुप्ता, अतुल मिश्रा, निधि भीमगे और प्रियंका मिश्रा को चुना गया। इसके अलावा, नगर एस एफ डी प्रमुख शालिनी शर्मा (सह प्रमुख अंकित साहू),एस एफ एस प्रमुख गोपी नामदेव (सह प्रमुख खुशी कोल), राष्ट्रीय कलामंच प्रमुख गरिमा त्रिपाठी (सह प्रमुख पवन लखेर), खेलो भारत संजना नामदेव (सह प्रमुख ऋषि यादव), एनसीसी प्रमुख निश्चय साहू (सह प्रमुख आयुष सेन), एन एस एस प्रमुख पीयूष पांडे (सह प्रमुख आकांक्षा सेन), स्टडी सर्कल प्रमुख आंशिक चौबे (सह प्रमुख दिकांक्षा यादव), नगर विद्यालय प्रमुख योग्यता वर्मन, और हॉस्टल प्रमुख शिवम (सह प्रमुख भूमिका) को जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यकारिणी सदस्यों में ऋतुराज द्विवेदी, आदर्श, आर्यन, राजीव, विवेक, अभिनव, नेहा, साधना, साक्षी, शिवा,आरती और अंकित शामिल हैं।

कार्यक्रम में जिला प्रमुख डॉ.बी.एन. उपाध्याय, विभाग संयोजक अखिलेश सिंह, विभाग छात्रा प्रमुख अंजलि पांडे, महाविद्यालय परिवार और छात्रों के अभिभावक भी मौजूद रहे। विद्यार्थी परिषद के प्रयासों को एक नई ऊंचाई पर ले जाने का संकल्प लिया।

कभी थे अकेले हुये आज इतने, नहीं तब डरे तो क्या अब डरेंगे: गंगा राजू

भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानंद शाखा ने मनाया स्थापना दिवस

शहडोल।

भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानंद शाखा शहडोल द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र शारीरिक प्रमुख गंगा राजू पांडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत विकास परिषद अपने सेवा और संस्कार के उद्देश्य के साथ देश सेवा में संलग्न है । वास्तव में यही आदर्श स्वामी विवेकानंद जी का भी था। अपने उद्बोधन में उन्होंने शहर में भारत विकास परिषद की बढ़ते कार्य की प्रशंसा किया और नई बनी शाखा को शुभकामना देते हुए कहा कि कभी थे अकेले हुये आज इतने, नहीं तब डरे तो क्या अब डरेंगे, तूफानो के सागर में चट्टान हैं हम, जो टकराएंगे मौत अपनी मरेंगे। गंगा राजू पांडे ने परिषद सदस्यों का आह्वान करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में दिए गए पंच परिवर्तनो- सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्व जागरण, पर्यावरण और स्वानुशासन की चर्चा करते हुए कहा कि इसे अपनाकर ही राष्ट्र में व्यापक परिवर्तन आएगा और हम पुनः भारत को पुनः विश्व गुरु के स्थान पर प्रतिस्थापित कर पाएंगे।

कार्यक्रम का प्रारंभ वंदे मातरम के गायन से हुआ। स्वागत भाषण परिषद के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने दिया। नए सदस्यों का स्वागत करते हुए से एसएस जौहरी ने परिषद के गठन की परिस्थितियों, इतिहास तथा विभिन्न प्रकार के किए जाने वाले कार्यक्रमों को विस्तार से बताया । परिषद के सचिव विजय दुबे ने अभी तक शाखा के किए गए कार्यों तथा भविष्य के योजनाओं की चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से शहडोल में नेत्र कोष की स्थापना के लिए सभी से प्रयास की कामना की। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन संयोजिका श्रीजा गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का संचालन रविंद्र गुप्ता ने किया। परिषद के कोषाध्यक्ष अजय शर्मा भी मंचासीन रहे।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम में परिषद परिवार के बच्चों आयुष्मान, अयांश , तनुश्री,अतुल्या ने चित्रकला, सूर्यांश, अस्मिता ने फैंसी ड्रेस तथा ऐश्वर्या और आख्या ने भाषण की प्रस्तुतियां भी दी, जिन्हें पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम में नीति, सुशील सिंघल, भारती, मनीष गुप्ता, सोनू,अखिलेश शर्मा, माधुरी श्रीवास्तव, रेनू, अरुण त्रिवेदी, श्रीलेखा जौहरी,अतुल्या, सोनिका, सचिन गुप्ता, रेनू,जितेंद्र मिश्रा, शाकिर अली, राखी शर्मा, हिमांशी, निशा,अनिल दीक्षित, अशोक सराफ, अशोक मोर, वर्षा, रवि कांत द्विवेदी, हिमांशु, डॉ.विजय श्रीवास्तव, डॉ. दीपक कुशवाहा, ममता ,रवि नेमा, मंजूलता, विजय जैन, प्रमोद कुमार सोनी, रिंकी दुबे ,ओ पी चौधरी,क्षमा,गौरव मिश्रा, लक्ष्मी सिंह, बबीता मोर,सहित बड़ी संख्या में सदस्य तथा आम जन उपस्थित थे।

एसईसीएल खैरहा माइंस को नया कमांडर

बी.हरि बाबू के सहयोग से बदल रही खदानों की तस्वीर

धनपुरी। एसईसीएल के सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत खैरहा भूमिगत खदान को नया नेतृत्व मिल गया है। मंसाराम मंडारी को नया खान प्रबंधक नियुक्त किया गया है। उन्होंने एस.पी. सिंह के सेवानिवृत्त होने के बाद जिम्मेदारी संभाली है।

बैकुंठपुर से अनुभव लेकर पहुंचे मंडारी

नए खान प्रबंधक मंसाराम मंडारी इससे पूर्व बैकुंठपुर एरिया में कार्यरत थे। वहां के अनुभव और कार्यशैली को अब वे खैरहा माइंस के संचालन में उतार रहे हैं। उनका कहना है कि खैरहा को तकनीकी रूप से मजबूत कर इसे बड़े खदानों की श्रेणी में शामिल किया जाएगा।

खैरहा से जुड़े हैं भविष्य के बड़े प्लान

मंडारी ने कहा कि खैरहा भूमिगत माइंस एसईसीएल की सबसे संभावनाशील इकाइयों में से एक है। यदि तकनीकी खामियों को दूर किया जाए तो यहां उत्पादन में जबरदस्त वृद्धि हो सकती है। खदान के कायाकल्प की पूरी योजना तैयार की जा रही है।

बी. हरि बाबू बने सहायक स्तंभ

उपक्षेत्रीय प्रबंधक बी. हरि बाबू की भूमिका इस बदलाव में अहम मानी जा रही है। सुबह से ही वे खैरहा और राजेन्द्रा दोनों भूमिगत खदानों में उपस्थित रहकर तमाम पहलुओं की निगरानी करते हैं। श्रमिक संगठनों की समस्याएं सुलझाना हो या तकनीकी सुधार की बात हरि बाबू को हर मोर्चे पर सक्रिय देखा जा रहा है।

श्रमिक संगठन भी कर रहे सराहना

श्रमिक संगठनों का कहना है कि वर्षों बाद ऐसा नेतृत्व मिला है, जो न केवल सुनता है बल्कि तेजी से समाधान भी देता है। प्रबंधन और श्रमिकों के बीच संवाद का माहौल पहले से बेहतर हुआ है।

उत्पादन में नहीं आएगी रुकावट

मंसाराम मंडारी ने स्पष्ट किया कि खदान में अब किसी भी तरह की तकनीकी अड़चन नहीं आने दी जाएगी। उत्पादन में निरंतरता बनाए रखने के लिए सभी विभागों में बेहतर समन्वय किया जा रहा है।

निष्कर्ष :

खैरहा और राजेन्द्रा भूमिगत खदानों में अब एक नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। बी.हरि बाबू और मंसाराम मंडारी जैसे अनुभवी अधिकारियों के नेतृत्व में खदानों से जुड़े सभी पहलुओं में उल्लेखनीय सुधार की उम्मीद की जा रही है।

अंधेर नगरी चौपट राजा, पेंट के बाद ड्राइ फ्रूट घोटाला

शहडोल।

जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने अपने बयान मे कहा है कि भाजपा की सरकार में भ्रष्टाचार के नित नए रिकॉर्ड बनते जा रहे हैं। हाल ही में जिले मे स्कूल मे मरम्मत के नाम पर लाखों का घोटाला उजागर हुआ, जिसका शोर थमा भी नहीं की भ्रष्टाचारियों ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम मे 14 किलो से 15 किलो ड्राइफ्रूरट खाने का रिकॉर्ड बना दिया।

गोहपारू ब्लाक के भदवाही ग्राम पंचायत मे आयोजित कार्यक्रम में भ्रष्टाचार की ऐसी बयार बही की, जिसमे घंटे भर के कार्यक्रम के दौरान फर्जी बिल के अनुसार वहां मौजूद उच्च अधिकारियों ने एक घंटे की अंदर चौदह से पंद्रह किलो ड्राइफ्रूरट और कई लीटर दूध, बिस्कुट नमकीन खा लिए। जिलाध्यक्ष ने कहा भाजपा राज मे शासन व प्रशासन की मिलीभगत से न जाने कितने फर्जी बिल बन रहे हैं और बकायदा पास भी हो रहे हैं। जिम्मेदारों को अपने कमीशन से मतलब है, उनकी जेबें भरती रहें, चाहे आम जनता के विकास का पैसा हो या छात्रों के भविष्य को संवारने का पैसा हो। सुभाष गुप्ता ने मांग करते हुए कहा कि इस मामले एवं इस तरह के अन्य मामलों की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच हो और दोषियों को उचित दंड दिया जाए, ताकि भविष्य मे भ्रष्टाचारियों की जन हितार्थ योजनाओं का पैसा हड़प करने की हिम्मत न हो।

खुला छोड़ रहे पशु मालिक, सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ उमरियापान

बारिश के इन दिनों में सड़क पर बेसहारा मवेशियों की धमाचौकड़ी लोगों को परेशानी में डाल रही है। दिन हो चाहे रात सड़क पर मवेशियों का जमावड़ा होने से लोग ठीक से आवागमन नहीं कर पा रहे हैं, जिसके कारण दुर्घटनाओं का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। सड़क पर मवेशी जहां लोगों को मुसीबत पैदा कर रहे हैं तो वहीं फुटपाथ खाली नहीं हैं,यहां पर वाहनों का जमावड़ा रहता है जिससे समस्या दोनों ओर से बन रही है। जहां सड़क पर दुर्घटनाओं का शिकार होकर लोग घायल हो रहे हैं तो वहीं वाहनों की टक्कर से भी मवेशी भी चोटिल रहे हैं।

उमरियापान से स्लीमनाबाद की तरफ और उमरियापान से ढीमरखेड़ा की तरफ मुख्य सड़कों पर पड़ने वाले प्रत्येक गांवों में मवेशियों के जमावड़ा रहता है। यहीं समस्या उमरियापान से सिहोरा मार्ग पर है। पशु मालिक अपने ही मवेशियों को खुला छोड़ देते हैं। बरसात के मौसम में मवेशी सड़कों पर आकर बैठते हैं। दिन के अलावा रात के समय पर भी मवेशियों के जमावड़ा सड़कों पर रहता है।इस कारण वाहन चालकों को परेशानी होती है। कलेक्टर ने मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर रखने और मवेशियों को खुला छोड़ने वाले पशु मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश जारी किए हैं। तहसील के जिम्मेदार अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए है, लेकिन तहसील स्तर पर प्रशासनिक अधिकारी बेखबर हैं।खमियाजा राहगीरों में हादसे की आशंका बनी रहती है।

साहब...अर्पणा पाण्डेय नहीं होने दे रही नाली की सफाई

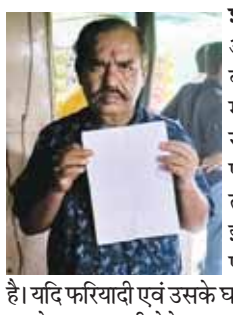

शहडोल। संभागीय मुख्यालय के वार्ड नंबर 10 शिव नगर एमपीईबी कालोनी निवासी अनंग पाल सिंह पिता स्व. अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी, कोतवाली, पुलिस अधीक्षक कार्यालय सहित कलेक्टर को शिकायत देते हुए बताया कि मेरे द्वारा कई बार पत्र लिखकर नगरपालिका से नाली सफाई कराये जाने की गुहार लगाई, सीएमओ द्वारा दो बार कर्मचारी भेजा गया, लेकिन अर्पणा पाण्डेय द्वारा मौके पर आकर फरियादी एवं नगरपालिका के कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने तक की धमकी दी गई, जिससे नाली सफाई का कार्य नहीं हो सका। अर्पणा पाण्डेय की इन कृत्यों की वजह से फरियादी एवं उसके घर के आस-पास के लोगों के घरों में गंदा पानी भर रहा है, जिससे असुविधा के साथ संक्रमण फैलने का भी खतरा निश्चित रूप से है। यदि फरियादी एवं उसके घर को किसी प्रकार का नुकसान होता है तो, प्रशासन की समस्त जवाबदेही होगी। अर्पणा पाण्डेय द्वारा गाली देते हुए कहा जाता है कि तुमको एवं नगरपालिका शहडोल वालों को झूठे केश में फंसा देंगे, तब समझ में आयेगा। फरियादी ने पूरे मामले में नाली सफाई के साथ कार्यवाही की मांग की है।

नेक काम के लिए मिलेगा 25 हजार का इनाम, 'राहवीर' बनकर बचाएं जान

राहवीर योजना के अंतर्गत होंगे सम्मानित

मानवता की मिसाल बने अनूपपुर के 5 नागरिकों का अप्रेसल कमेटी को भेजा गया प्रतिवेदन

मध्य प्रदेश सरकार ने 'राहवीर योजना' शुरू की है। सड़क दुर्घटना में घायल की जान बचाने पर 25,000 रुपये का इनाम मिलेगा। सरकार राह-वीर को सम्मान पत्र भी देगी। घायल को 'गोल्डन आवर' में अस्पताल पहुंचाना होगा। पुलिस मदद करने वालों को परेशान नहीं करेगी। एक व्यक्ति अधिकतम पांच बार इनाम पा सकता है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। किसी की जान बचाना सबसे बड़ा पुण्य है। लेकिन जरा सोचिए अगर इस नेक काम के लिए आपको सरकार की ओर से इनाम भी मिले तो। केंद्र सरकार की 'राहवीर योजना' अब मध्य प्रदेश मे लागू हो गई है। इस योजना के तहत सड़क दुर्घटना में अगर आप किसी की जान बचाते हैं तो पुलिस आपको परेशान नहीं करेगी बल्कि मध्य प्रदेश सरकार आपको इनाम के साथ-साथ सम्मान पत्र से भी नवाजेगी। राहवीर योजना के तहत अगर किसी का भीषण एक्सीडेंट हो जाता है और आप उन्हें समय से (Golden Hour) से अस्पताल पहुंचाकर जान बचाते हैं तो आपको 25,000 रुपये का इनाम मिलेगा। इस योजना का उद्देश्य आम लोगों को बिना किसी डर के इमरजेंसी में सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने के लिए प्रेरित करना है। जानकारी के मुताबिक राह-वीर योजना केंद्रीय सड़क परिवहन व हाईवे मंत्रालय की योजना है, जिसे अब मध्य प्रदेश में लागू किया गया है। इस योजना के तहत 'Golden Hour' में अस्पताल पहुंचाकर किसी की जान बचाने पर पहले 20,000 रुपये मिलते थे, लेकिन इसे बढ़ाकर अब 25,000 रुपये कर दिया गया है।

अनूपपुर जिले से यह होंगे सम्मानित

पुलिस अधीक्षक मोती-उर-रहमान (IPS) के निर्देशन में, उन 5 जिम्मेदार एवं साहसी नागरिकों का प्रतिवेदन जिला अप्रेसल कमेटी को भेजा गया है, जिन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की मदद कर मानवता की सच्ची सेवा की है। ये सभी नागरिक कठिन परिस्थितियों में निडर होकर आगे आए, और घायल व्यक्तियों को "गोल्डन ऑवर" के भीतर अस्पताल पहुँचाकर उनकी जान बचाई। प्रशासन द्वारा इन्हें "राहवीर योजना" के अंतर्गत न केवल प्रशंसा-पत्र और सम्मान समारोह में आमंत्रण दिया जाएगा, बल्कि प्रत्येक को 25,000 की इनाम राशि भी प्रदान की जाएगी। सम्मानित होने वालों मे कमला प्रसाद राठौर– राठौर मोहल्ला पसला, नारायण पटेल ग्राम बम्हनी फुनगा, महेश साहू- ग्राम पटेराटोला अनूपपुर, महेंद्र पनिका – फुनगा, तथा शिवांश सिंह – बदरा का नाम जिला अप्रेसल कमेटी को भेजा गया है।

यह है राहवीर योजना का उद्देश्य

यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने मन की बात कार्यक्रम में की गई अपील के बाद लिया गया है, जिसमें उन्होंने बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की थी और त्वरित चिकित्सा सहायता के महत्व पर ज़ोर दिया था। राहवीर योजना का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित सहायता सुनिश्चित करना है ताकि समय पर उपचार से उनकी जान बचाई जा सके। यह योजना सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की मदद करने वाले राहवीरों को सम्मानित करती है और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देती है। यह योजना मानवीय दृष्टिकोण को बढ़ावा देगी।

ऐसे मिलेगा इनाम

अगर कोई व्यक्ति घायल व्यक्ति को सीधे अस्पताल लेकर जाता है, तो अस्पताल की ओर से पुलिस को सूचना दे दी जाएगी। पुलिस जिला कलेक्टर को सूचित करेगा। इस रिपोर्ट की कॉपी घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले शख्स को भी दी जाएगी और बाद में इनाम की राशि परिवहन विभाग द्वारा उनके बैंक अकाउंट में भेज दी जाएगी। सरकार की ओर से इनाम के अलावा 'प्रशंसा पत्र' भी मिलेगा। एक व्यक्ति अधिकतम पांच बार इस योजना के तहत इनाम पा सकता है।

पुलिस नहीं करेगी परेशान

राहवीर योजना को मिली मंजूरी के अंतर्गत एक्सीडेंट की स्थिति में व्यक्ति को घायल को अस्पताल पहुंचाने के लिए तुरंत 108 एंबुलेंस सर्विस पर कॉल करनी होगी। सरकार ने यह साफ कर दिया है कि मदद करने वाले व्यक्तियों को पुलिस की ओर से परेशान नहीं किया जाएगा। यह योजना घायलों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाएगी।

श्रावण मास शुरू होते ही पवित्र नगरी अमरकंटक में गूंजा बोल बम का जयघोष

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। श्रावण मास के पावन आरंभ के साथ ही अमरकंटक नगरी में शिवभक्तों एवं कांवरियों का आगमन प्रारंभ हो गया है। पूरा वातावरण बोल बम, बम-बम भोले और भजन-कीर्तन की गूंज से भक्तिमय हो उठा है। आषाढ़ पूर्णिमा एवं गुरु पूर्णिमा से ही श्रद्धालुओं ने कांवड़ यात्रा शुरू कर दी है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हजारों कांवरियों ने पवित्र नर्मदा जल लेकर करीब 8 किलोमीटर लंबा सफर तय कर भगवान भोलेनाथ के प्रसिद्ध जालेश्वर धाम में जलाभिषेक किया। कांवड़ यात्री भगवा वस्त्र धारण कर, कंधों पर कांवड़ लिए हुए, नर्मदा जल को अपने गांव-नगर स्थित शिव मंदिरों में ले जाकर शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। अमरकंटक में श्रावण मास भर भोलेनाथ के विभिन्न मंदिरों अमरकंठेश्वर महादेव, 11 रूद्र महादेव, जालेश्वर महादेव तथा अमरेश्वर महादेव में रुद्राभिषेक और विशेष पूजन-अर्चन का सिलसिला चलता रहता है। मान्यता है कि श्रावण मास और विशेषकर सोमवार के दिन भगवान शिव का पूजन अत्यंत फलदायी होता है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति एवं भोलेनाथ को प्रसन्न करने हेतु अमरकंटक पहुंचते हैं। अमरकंटक में पहुंचने वाले कांवरियों में छत्तीसगढ़ के कवर्धा, बिलासपुर, कोरबा, जांजगीर-चांपा, मुंगेली, लोरमी, बांद्र, गौरेला, मरवाही सहित उड़ीसा के भुवनेश्वर, संबलपुर और मध्य प्रदेश के अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी जिले से भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हैं। भक्ति, आस्था और उल्लास के इस पवित्र माह में अमरकंटक नगरी का वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया है।

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं श्रीमती माया विश्वलाल, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष महोदया जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनूपपुर के निर्देशानुसार नालसा (बच्चों के लिए बाल-अनुकूल कानूनी सेवाएं) योजना, 2024 एवं नालसा (DAWN-नशा मुक्त भारत के लिए नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता और कल्याण मार्गदर्शन) योजना, 2025 विषय में एवं विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर में, विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में विनोद कुमार वर्मा न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर, बृजेश पटैल जिला विधिक सहायता अधिकारी, संतदास नापित चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसेल, विद्यालय के प्राचार्य सतीश चन्द्र सिंह एवं विद्यालय के सचिव आदर्श दुबे उपस्थित रहें। कार्यक्रम में विनोद कुमार वर्मा न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अपने संबोधन में निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह योजना, यातायात नियम, सायबर अपराध के बारे में विस्तार से जानकारी दी साथ ही उन्होंने नशा मुक्त भारत के लिए नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता और कल्याण मार्गदर्शन योजना के बारे में बताया कि यह योजना नशा मुक्त भारत अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य, नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाना, नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकना, नशा पीड़ितों को उपचार और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करना एवं एक स्वस्थ और नशा मुक्त समाज का निर्माण करना है। शिविर में उपस्थित जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटैल ने बच्चों को, नालसा (आशा-जागरूकता, समर्थन, सहायता और कार्यवाई) मानक संचालन प्रक्रिया-बाल विवाह से मुक्ति की ओर अग्रसर) योजना, 2025 के संबंध में विस्तार से बताया कि बाल विवाह एक अभिशाप है। यह एक सामाजिक बुराई है जो बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन करती है और उनके भविष्य को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। बाल विवाह बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से वंचित करता है, और उन्हें गरीबी और हिंसा के चक्र में फंसा सकता है। शिविर के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से नितेश केशरवानी, राजेश कुमार कोल, विद्यालय से राजकुमार गुप्ता, बैद्यनाथ त्रिपाठी, संतोष शुक्ला, सुश्री ऑंचल द्विवेदी, श्रीमती संध्या शिवहरे एवं विद्यालय के छात्र/छात्राएं उपस्थित रही।

संकल्प महाविद्यालय में सर्प मित्रों का किया गया सम्मान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

संकल्प महाविद्यालय द्वारा जिले में वन्यजीव संरक्षण एवं जनहित में उल्लेखनीय कार्य कर रहे सर्प मित्रों शशिधर अग्रवाल, छोटे लाल यादव, मनोज कुमार यादव, नवीन, धर्मेंद्र कुमार यादव का सम्मान समारोह महाविद्यालय परिसर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अनूपपुर अनुभागीय अधिकारी (SDM) कमलेश पुरी की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने सभी सर्प मित्रों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इनका योगदान समाज और पर्यावरण के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और स्वागत उद्बोधन से हुई। कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित शशिधर अग्रवाल ने विद्यार्थियों को सर्पों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि सांप प्रायः हानिकारक नहीं होते हैं, और उनके संरक्षण से पारिस्थितिक संतुलन बना रहता है। विद्यार्थियों ने अत्यंत रुचि के साथ उनकी बातें सुनीं और अनेक जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया। सभी सर्प मित्रों द्वारा वर्षों से किए जा रहे साहसिक कार्यों पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने बताया कि कैसे ये लोग सर्पदंश जैसे संकटपूर्ण समय में लोगों की सहायता करते हैं और सांपों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाते हैं। शशिधर अग्रवाल न केवल एक सक्रिय सर्प मित्र हैं, बल्कि वन्यजीव संरक्षण एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभाते हैं। उनका अनुभव नई पीढ़ी को जागरूक और संवेदनशील बनाने में उपयोगी सिद्ध हो रहा है। SDM कमलेश पुरी ने अपने संबोधन में कहा कि "इन सर्प मित्रों का साहस और सेवा समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। इनकी कार्यशैली हमें सिखाती है कि निःस्वार्थ सेवा और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का समावेश कितना आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि SDM कमलेश पुरी एवं संकल्प महाविद्यालय संचालक अंकित शुक्ला द्वारा चारों सर्प मित्रों को शॉल, श्रीफल एवं सम्मान पत्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। साथ ही महाविद्यालय संचालक अंकित शुक्ला ने सभी अतिथियों और विशेषरूप से सर्प मित्रों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था सामाजिक एवं पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के निर्वहन हेतु सदैव तत्पर रहेगी।

वर्षा ऋतु में सभी पटवारी गंभीरता एवं सक्रियता के साथ करें कार्य-अपर कलेक्टर

अपर कलेक्टर ने ली पटवारियों की बैठक, दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पांडेय ने वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जिले के सभी पटवारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने क्षेत्र में गंभीरता एवं सक्रियता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि इस मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों में आपदाओं एवं दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, ऐसे में किसी भी प्रकार की घटना की जानकारी तत्काल नियंत्रण कक्ष को दी जाए, ताकि प्रशासन समय रहते आवश्यक राहत कार्य प्रारंभ कर सके। अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पांडेय आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित बैठक में जिले के सभी पटवारियों को निर्देशित कर रहे थे। बैठक में अपर कलेक्टर श्री पांडेय ने निर्देश दिए कि पटवारी अपने नियमित राजस्व कार्य जैसे फॉर्मर रजिस्ट्री, फसल रजिस्टर (एफ.आर.) एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के संधारण एवं अद्यतन को प्राथमिकता के आधार पर करें। उन्होंने कहा कि वर्षा के दौरान भूमि संबंधी विवाद, फसलों की क्षति अथवा प्राकृतिक आपदा की स्थिति में पटवारी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने सभी पटवारियों से अपेक्षा की कि वे शासन के निर्देशों का गंभीरता से पालन करें तथा क्षेत्रीय समस्याओं की जानकारी समय पर प्रशासन को उपलब्ध कराएं, जिससे राहत एवं पुनर्वास कार्यों को प्रभावी रूप से संपादित किया जा सके। बैठक में अधीक्षक भू-अभिलेख प्रदीप मोगरे ने निर्देश दिए कि जिले में किसी भी गांव या क्षेत्र में बाढ़, भूस्खलन या मकान गिरने जैसी घटना की सूचना मिलते ही संबंधित पटवारी तत्काल मौके पर पहुंचे और त्वरित सर्वेक्षण कर उसकी रिपोर्ट प्रशासन को सौंपें। उन्होंने कहा कि भारी वर्षा या ओलावृष्टि से फसल को हुए नुकसान का पंचनामा शीघ्र बनाकर संबंधित कार्यालय को भेजा जाए, जिससे प्रभावित कृषकों को समय पर मुआवजा उपलब्ध कराया जा सके। श्री मोगरे ने कहा कि वर्षा ऋतु में भूमि संबंधी विवाद अधिक होते हैं, अतः ऐसे मामलों का स्थलीय निरीक्षण कर न्यायोचित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया जैसी मौसमी बीमारियों का प्रकोप हो, तो पटवारी तत्काल स्थानीय स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें और जनजागरूकता अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। किसी भी प्रकार की आपदा या दुर्घटना की स्थिति में पटवारी प्रशासन से सीधे समन्वय स्थापित करें, ताकि राहत एवं सहायता कार्य समय पर प्रारंभ हो सकें। बैठक में अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा कर पटवारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए। बैठक में जिले के सभी पटवारी उपस्थित थे।

कैम्पों के माध्यम से 215 नागरिकों के आधार कार्डों में हुए आवश्यक सुधार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार जिले के सभी नगरीय निकायों के वार्डो तथा ग्राम पंचायतो में विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ लिए जाने हेतु नागरिकों के आधार कार्ड में आवश्यक सुधार व नए आधार कार्ड बनाए जाने हेतु ग्राम पंचायत व वार्डवार आधार कैम्प का आयोजन प्रातः 10:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक प्रतिदिन अलग-अलग वार्ड व ग्राम पंचायत में किया जा रहा है। जिसके तहत गुरुवार को आयोजित आधार कैम्पों के माध्यम से 215 नागरिकों के आधार कार्डों में आवश्यक सुधार कार्य एवं 15 नागरिकों के नए आधार कार्ड बनाए गए।

इन ग्रामीण क्षेत्रों में लगेंगे शिविर

जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत परसवार एवं मेडियारास में 12 से 15 जुलाई तक आधार कैम्पों का आयोजन किया जाएगा। परसवार में आधार ऑपरेटर शैलेन्द्र सूटी तथा मेड़ियारास में आधार ऑपरेटर ऊदल चंद्रवंशी द्वारा आधार पंजीयन एवं अपडेशन कार्य किया जाएगा। इसी प्रकार जनपद पंचायत अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत खोड़री नं. 02 एवं पड़ौर में 12 जुलाई को आधार कैम्पों का आयोजन किया जाएगा। खोड़री नं. 02 में आधार ऑपरेटर दिलीप प्रजापति तथा पड़ौर में आधार ऑपरेटर दीपक साकेत द्वारा आधार पंजीयन एवं अपडेशन कार्य किया जाएगा। जनपद पंचायत कोतमा अंतर्गत ग्राम पंचायत छुलहा एवं कमरानटोला में 12 से 14 जुलाई तक आधार कैम्पों का आयोजन किया जाएगा। छुलहा में आधार ऑपरेटर राजेन्द्र साहू तथा कमरानटोला में आधार ऑपरेटर सागर महरा द्वारा आधार पंजीयन एवं अपडेशन कार्य किया जाएगा। जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत करपा एवं नौगवां में 12 जुलाई को आधार कैम्पों का आयोजन किया जाएगा। करपा में आधार ऑपरेटर लखन लाल तथा नौगवां में आधार ऑपरेटर पुरुषोत्तम द्वारा आधार पंजीयन एवं अपडेशन कार्य किया जाएगा।

इन नगरीय क्षेत्रों में लगेंगे शिविर

अनूपपुर के वार्ड 10 में 12 जुलाई को आधार कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आधार ऑपरेटर मधुसूदन द्वारा आधार पंजीयन एवं अपडेशन कार्य किया जाएगा। इसी प्रकार नगरपालिका कोतमा के वार्ड नम्बर 11 में 12 जुलाई को आधार कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आधार ऑपरेटर निकिता जैन द्वारा आधार पंजीयन एवं अपडेशन कार्य किया जाएगा। नगरपालिका बिजुरी के वार्ड नम्बर 10 में 12 जुलाई को आधार कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आधार ऑपरेटर सचिन सोनी द्वारा आधार पंजीयन एवं अपडेशन कार्य किया जाएगा। नगर परिषद जैतहरी के वार्ड 10 में 12 जुलाई को आधार कैम्प का आयोजन किया जाएगा।

आल इंडिया स्ट्राइक के समर्थन में मजदूर एवं किसानों का अनूपपुर में दिखा दम

विभिन्न मांगों को लेकर दिया धरना, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। संयुक्त ट्रेड यूनियन के आह्वान पर 9 जुलाई को ऑल इंडिया स्ट्राइक के समर्थन में सीटू से संबद्ध यूनियन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एकता यूनियन, आशा उषा सहयोगिनी यूनियन, मध्यान भोजन कर्मी युनियन,कोयला श्रमिक संघ जमुना कोतमा एवं हसदेव एरिया, अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति, मध्य प्रदेश किसान सभा, आदिवासी महासभा तथा संयुक्त ठेकेदारी मजदूर यूनियन के बैनर तले जिला मुख्यालय अनूपपुर में हजारों के तादाद में रैन बसेरा के समक्ष धरना प्रदर्शन एवं आम सभा कर तहसीलदार ईश्वर प्रधान को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में स्थानीय एवं राष्ट्रीय मांगों से संबंधित ज्ञापन कलेक्टर जिला अनूपपुर एवं प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया। आम सभा को मुख्य वक्ता मध्य प्रदेश किसान सभा के प्रांतीय महासचिव कामरेड अखिलेश यादव एवं अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति के प्रांतीय अध्यक्ष कामरेड नीना शर्मा ने संबोधित किया। कामरेड अखिलेश यादव ने सभा को संबोधित करते हुए बीजेपी के नेतृत्व वाली मध्य प्रदेश के मोहन यादव सरकार एवं नरेंद्र मोदी सरकार का जमकर आलोचना करते हुए सरकार को किसान विरोधी, मजदूर विरोधी, महिला विरोधी एवं आमजन विरोधी बताया। सभा को सीटू के कार्यवाहक अध्यक्ष जुगुल किशोर राठौर ने संबोधित करते हुए कहा कि निजी कंपनियां नेता और अधिकारियों को पटा करके किसान एवं मजदूरों के साथ लूट शोषण करते हैं उन्होंने बताया कि मोजर बेयर पावर प्लांट के प्रबंधन के द्वारा मुझे चुप रहने के लिए किसान एवं मजदूरों के जायज हक को न उठाने के लिए 7 लाख रुपए बतौर घूस दिया गया था। जिसकी शिकायत पुलिस को एवं जिला प्रशासन को की गई है किंतु आज तक प्रबंधन के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि मोजर बेयर पावर प्लांट प्रबंधन यहां के मजदूरों के साथ गुलामों की तरह व्यवहार कर रही है यहां के मजदूर जो कल तक किसान थे आज उनको रोजी-रोटी का संकट पैदा करके कम्पनी प्रबंधन शोषण एवं लूट को आगे बढ़ा रही है । इस तरह का दुर्व्यवहार अंग्रेजी हुकूमत में भी सुनने को नहीं मिला था जिस तरह का क्रूरता पूर्ण व्यवहार मोजर बेयर पावर प्लांट के प्रबंधन यहां के स्थानीय किसानों एवं मजदूरों के साथ कर रही है। उन्होंने कहा कि 22 फरवरी 2024 को माइक्रोफाइनेंस कंपनी के प्रबंधन एवं दलालों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा पंजीबद्ध किया गया है किंतु जैतहरी पुलिस अभी तक अपराधियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

जिले में 33.9 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 33.9 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर में 10.2, कोतमा में 38, बिजुरी में 27.8, जैतहरी में 24, वेंकटनगर में 53, पुष्पराजगढ़ में 54.4, अमरकंटक में 3.4 तथा बेनीबारी में 60.2 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई।

अज्ञात व्यक्ति द्वारा नाली तोड़ने की सीएमओ से हुई शिकायत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 के निवासी प्रदीप कुमार यादव द्वारा मुख्य नगरपालिका अधिकारी अनूपपुर को एक शिकायती पत्र प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि वार्ड क्रमांक 13 उज्जवल कॉलोनी में नगरपालिका परिषद द्वारा लगभग 04 माह पूर्व 250 मीटर की नई नाली का निर्माण जयंत राव के घर के पीछे से आलोक पटेल के घर तक कराया गया था, लेकिन 06.07.2025 को उसी नाली को किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा तोड़कर उसमें मिट्टी डालकर बंद कर दिया गया है। जिसके बाद आवेदक द्वारा मुख्य नगरपालिका अधिकारी से नाली को पुनः खुलवाने तथा अज्ञात दोषी पर उचित कानूनी कार्यवाही किए जाने की मांग की गई है।

कार्यालय नगर परिषद जैतहरी जिला अनूपपुर म.प्र.
E-mail-cmojaithari@mpurban.gov.in
क्र./ 427 /न.परि./ई. टेन्ड/लोक.नि. / 2025 जैतहरी दिनांक 10/07/25

ई- निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा नगर परिषद जैतहरी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ONLINE) निविदा आमंत्रित करती है उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईड https://mptenders.gov.in/ देखी जा सकती है।

क्रं.	ऑन लाईन टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रुपए में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि
1	2	3	4	5	6	7
01.	2025_UAD_436002_1	Development of Business courtyard at w 8	16,89,071/-	12,668/-	2000/-	03 माह
02.	2025_UAD_436259_1	Cons. of Footpath at civil line ward 05	9,94,058/-	9,940/-	2000/-	01 माह

1. सरल क्रमांक 01 के निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने का दिनांक 09/07/2025 समय शाम 16:00 बजे से 11/08/2025 समय शाम 17:30 तक क्रय की जा सकती है। एवं सरल क्रमांक 02 के निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करनें का दिनांक 10/07/2025 सुबह 10:30 बजे से 25/07/2025 शाम 17:30 बजे तक क्रय की जा सकती है 2. विस्तृत निविदा विज्ञप्ति टेण्डर एवं अन्य दस्तावेज देखने एवं डाउनलोड करनें के लिए वेबसाईड पर सुविधा उपलब्ध है अधिक जानकारी के लिए https://mptenders.gov.in/ देखी जा सकती है । 3. निविदाकार टेण्डर डालने के पूर्व उपरोक्तानुसार स्थल का निरीक्षण कर सकते है । 4. निविदा में किसी भी प्रकार के संषोधन के लिए समाचार पत्र पर प्रकाशन नही किया जावेगा निविदा के संषोधन की जानकारी https://mptenders.gov.in/ पर देखी जा सकती है ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद जैतहरी जिला अनूपपुर (म.प्र.)